"नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता"

परियोजना के अन्तर्गत आयोजित

03 दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला

विस्तृत आख्या

(23-25 मार्च 2022)

प्रतिभागी राज्य- उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश

आयोजक- राज्य कार्यालय, नेहरु युवा केंद्र संगठन, उत्तर प्रदेश

परियोजना- नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता

उत्तर प्रदेश में गंगा के पावन तट पर स्थित वाराणसी से लोकसभा चुनाव 2014 में एक सांसद के रूप में निर्वाचित होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि **'मां गंगा की सेवा करना मेरा सौभाग्य है"** गंगा नदी का न सिर्फ़ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि देश की 40% से ज्यादा आबादी गंगा नदी पर निर्भर है। 2014 में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मा. प्रधानमंत्री जी ने कहा कि "अगर हम गंगा को साफ करने में सक्षम हो गए तो यह देश की 40 फीसदी आबादी के लिए एक बड़ी मदद साबित होगी। अतः गंगा की सफाई एक आर्थिक एजेंडा भी है।"

इस सोच को कार्यान्वित करने के लिए भारत सरकार ने गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और नदी को पुनर्जीवित करने के लिए **'नमामि गंगे'** नामक एक एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन का शुभारंभ किया। 100% केंद्रीय हिस्सेदारी के साथ इसे एक केंद्रीयकृत योजना का रूप दिया गया है। यह समझते हुए कि गंगा संरक्षण की चुनौती बहु-क्षेत्रीय और बहु-आयामी है और इसमें कई हितधारकों की भी भूमिका है, विभिन्न मंत्रालयों के बीच एवं केंद्र-राज्य के बीच समन्वय को बेहतर करने एवं कार्य योजना की तैयारी में सभी की भागीदारी बढ़ाने के साथ केंद्र एवं राज्य स्तर पर निगरानी तंत्र को बेहतर करने के प्रयास किये गए हैं। साथ ही जिला स्तर पर जिला गंगा संरक्षण समिति का भी गठन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया है।

राष्ट्रीय गंगा स्वच्छता मिशन के द्वारा इस परियोजना के अन्तर्गत जागरूकता, प्रशिक्षण के साथ युवाओं, बच्चों एवं स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्रों को गंगा के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से 'नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता' परियोजना को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्त शासी संस्था नेहरु युवा केंद्र संगठन के साथ प्रारम्भ किया गया। इसके अंतर्गत 05 प्रदेश उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड के 55 जनपद को शामिल किया गया है । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं में गंगा संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता लाना है। साथ ही स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के युवाओं के साथ स्थानीय युवा, ग्रामीण आदि लोगों को शामिल करते हुए वृहद स्तर पर जागरूकता प्रचार-प्रसार एवं भविष्य में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, गंगा संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है।

लक्ष्य- युवाओं के माध्यम से गंगा नदी के प्रदूषण और संरक्षण की दिशा में योगदान के साथ सार्वजनिक भागीदारी और दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता (सब का साथ - सबका विकास) को बढ़ावा देना।

परियोजना का उद्देश्य-

- परियोजना के तहत परिकल्पित गतिविधियों को करने के लिए प्रशिक्षित और उच्च प्रेरित स्थानीय युवाओं का समूह विकसित करना।
- समर्थन, मार्गदर्शन, पारदर्शिता, निगरानी और लेखा परीक्षा के लिए परियोजना के विभिन्न स्तरों पर एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना।
- गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम और इसके संरक्षण के उपायों से संबंधित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को सहायता प्रदान करना।
- प्रदूषित गंगा के परिणामों और प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना और लक्षित दर्शकों को शिक्षित करना।
- स्वच्छ गंगा के लिए शौचालय निर्माण, जल संचयन और संरक्षण आदि से संबंधित मौजूदा सरकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

क्रियान्वयन एजेंसी- नेहरू युवा केंद्र संगठन, स्वायतशासी संस्था- युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार
निधीयन एजेंसी- राष्ट्रीय गंगा स्वच्छ मिशन (एनएमसीजी), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

NEHRU YUVA KENDRA SANGATHAN, UTTAR PRADESH

(Schedule for Regional Level Training cum Workshop under Involvement of Youth in Namami Gange Programme)

Venue- Uttar Pradesh Academy of Administration & Management, Aliganj, Lucknow, UP
Date- 23-25 March 2022

Day	Time	Session/Prog.	Guest Speaker/ In-charge
1st Day 23.03.22	06.00 to 07.00 AM	Yoga & Meditation	Miss Sunita Gupta, International Yoga Instructor, University of Lucknow
	07.00 to 09.30 AM	Free Time & Break Fast	-
	9.30 to 10.30 AM	Registration of the Participants	Mr. Ajit Kumar
	10.30 to 11.30 AM	Inaugural Function	Guest
	11.30 to 11.40 AM	Tea Break	-
	11.40 AM to 11.50 AM	Briefing for 3 days the training programme, Objectives of the Training and Media Workshop	Mr. Ajit Kumar State Project Assistant (Namami Gange) NYKS, UP
	11.50 AM to 12.00 PM	Vision, Aim & Objective of the project " Involvement of Youth in Namami Gange Programme"	Mr. Nand Kumar Singh, RD/SD, NYKS, UP
	12.00 PM to 01.45 PM	Situation and problem of pollution in river Ganga and its impact.	Dr. Anand Prakash Maheshwari (IPS) Former DG, CRPF and Former Advisor to Lt. Governor, Puducherry
	01.45 to 2.45 PM	Lunch	-
	02.45 to 04.45 PM	Geographical Coverage of River Ganga and its impact on population.	Prof. Vibhuti Rai Professor Department of Geology, University od Lucknow
	04.45 to 05.00 PM	Tea Break	-
	05.00 to 06.00 PM	Development of institutional mechanism for undertaking the project and Involvement of youth, Personal Contact and Peer Education Programme	Mr. Anshumali Sharma SLO & OSD National Service Scheme, Department of Higher Education, Govt. of UP
	06.00 to 08.00 PM	Free Time	-
	08.00 to 09.00 PM	Dinner	-
2nd Day 24.03.22	06.00 to 07.00 AM	Yoga & Meditation	Miss Sunita Gupta, International Yoga Instructor, University of Lucknow
	07.00 to 09.30 AM	Free Time & Break Fast	-

	09.30 to 10.00 AM	Districts Presentation & Briefing of Previous day	DYOs / DPOs
	10.00 AM to 12.00 PM	Water Recharging Mechanism and Modals	Mr. Mahendra Modi IPS (Jal Guru) Former DG, Special Task Force, Uttar Pradesh
	12.00 to 12.15 PM	Tea Break	-
	12.15 to 02.00 PM	Collection of basic information on level of pollution, and its impact on economy and population of the area	Dr. Sitaram Taigor, Environmental Specialist (GANGA) State Mission for Clean Ganga UP
	02.00 to 03.00 PM	Lunch	-
	03.00 to 05.00 PM	How to motivate a youth volunteer to be involve in this Project. & SBM and Clean India Campaign, other awareness programme for Cleanness.	Mr. Rakesh Chaturvedi Former Assistant Director, Department of Panchayti Raj, UP & Mrs. Vishakha Chaturvedi Trainer SBM and Art of Living
	05.00 to 05:15 PM	Tea Break	-
	05.15 to 06.00 PM	Scripts for Nukkad Natak, Documentary films and Development of ICE material on social awareness.	Mr. Mahesh Chandra Deva, Actor and Director, Chabutara Theater
	06.00 to 08.00 PM	Free Time	-
	08.00 to 09.00 PM	Dinner	-
3rd day 25.03.22	06.00 to 07.00 AM	Yoga & Meditation	Miss Sunita Gupta, International Yoga Instructor, University of Lucknow
	07.00 to 09.30 AM	Free Time & Break Fast	-
	09.30 to 10.00 AM	Districts Presentation & Briefing of Previous day	DYOs / DPOs
	10.00 to 11.30 AM	Importance of Media and Communication in Project	Mr. Radhe Shyam Dixit Director, Rural Wire, Lucknow
	11.30 to 1145 AM	Tea Break	-
	11:45 AM to 01:45 PM	Group Discussion for development and adoption of IEC material & District Work Plan	Participants
	01:45 to 03.00 PM	Lunch	
	03.00 to 04.00 PM	Closing Ceremony & Certificate Distribution	Guest
	04.00 to 04.30 PM	High Tea	-

***

NEHRU YUVA KENDRA SANGATHAN, UTTAR PRADESH

"Youth Involvement in Namami Gange Programme"

(03 Days Regional Workshop 23-25.03.2022)

(List of Participating DYOs & DPOs)

Sr.	New District	Name of DYO	DPO/SPA
1.	**Amroha**	Miss. Abha Soni	Mr. Sachin Chaudhary
2.	**Badaun**	Dr. Dinesh Yadav	Mr. Anuj Pratap Singh
3.	**Hardoi**	Miss. Pratima Verma	Mr. Ashwani Kumar Mishra
4.	**Moradabad**	Mr. Ankit Gaur	Mr. Rahul Pandey
5.	**Chandauli**	Mr. Anil Kumar Singh	-
6.	**Kaushambi**	Smt. Shamim Begum	-
7.	**Tehri Garhwal**	Mr. Avinash Kumar Singh	Mr. Arun Uniyal
8.	**Rudra prayag**	Mr. Rahul Dabral	Ms. Abhilasha
9.	**Dehradun**	Smt. Munni Toliya	Dheeraj Kumar Dabgarwal
10.	**Pauri Garhwal**	Mr. Shailesh Bhatt	-
11.	**Fatehpur**	-	Mr. Gyan Prakash
12.	**Haridwar**	-	Mr. Satya Dev Arya
13.	**State Project Assistant (UK)**	-	Mr. Digbeer Singh
14.	**State Project Assistant (UP)**	-	Mr. Ajit Kumar

Total Patricipants- 21

तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला

प्रथम दिवस कार्यक्रम

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस की शुरुआत प्रातः का योग एवं मैडिटेशन कराकर किया गया, जिसके लिए योग प्रशिक्षक के रूप में सुनीता गुप्ता, अंतर्राष्ट्रीय योग एवं मैडिटेशन अनुदेशक, लखनऊ विश्वविद्यालय रही । तत्पश्चात् श्री अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक (नमामि गंगे) द्वारा प्रतिभागियो का पंजीकरण कराकर उनको किट भेंट की गयी। उसके बाद सुबह अतिथियो द्वारा प्रशिक्षण का शुभारंभ एंव उद्घाटन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्री वेंकटेश्वर लू, आईएएस, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन अकादमी, लखनऊ, श्री नन्द कुमार सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, लखनऊ, डॉ. आनन्द प्रकाश माहेश्वरी, आईपीएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महानिदेशक, सीआरपीएफ, डॉ. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, श्री अंशुमालि शर्मा, राज्य संपर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश एवं डा. सीताराम टैगोर पर्यावरण विशेषज्ञ, स्टेट मिशन फार क्लीन गंगा उ0प्र0 ने शहीदो को नमन करते हुए दीप प्रज्जवलित किया एवं पुष्पांजली अर्पित की।

तदोपरांत श्री अजीत कुमार राज्य परियोजना सहायक (नमामि गंगे) नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उ.प्र. द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा एवं मीडिया कार्यशाला का उद्देश्य बताया गया। उद्बोधन भाषण में श्री नन्द कुमार सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उ0प्र0 के द्वारा 'नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता' परियोजना के उद्देश्य से अवगत कराया ।

प्रथम सत्र के दौरान डॉ. आनन्द प्रकाश माहेश्वरी, आईपीएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महानिदेशक, सीआरपीएफ ने गंगा नदी के प्रदूषण के विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराते हुए गंगा नदी की वर्तमान स्थिति एवं उसके प्रभाव के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया ।

डा0 विभूती राय प्रो0 भूगर्भ विभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वारा गंगा नदी का भौगोलिक क्षेत्र और उसके आस-पास की निर्भर जनसंख्या पर गंगा नदी के प्रभाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। श्री अंशुमालि शर्मा, राज्य संपर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के द्वारा परियोजना को शुरू करने और युवाओ की भागीदारी, व्यक्तिगत संम्पर्क और सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम के लिए संस्थागत तंत्र का विकास करने के बारे में अवगत कराया गया ।

उद्घाटन सत्र के दौरान उपस्थिति मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि

सत्र के दौरान व्याख्यान देते प्रो. विभूति राय, भूगर्भ विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

सत्र के दौरान व्याख्यान देते डॉ. ए.पी. माहेश्वरी, आईपीएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महानिदेशक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

सत्र के दौरान व्याख्यान देते श्री अंशुमालि शर्मा, राज्य संपर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

द्वितीय दिवस कार्यक्रम

द्वितीय दिवस की शुरुआत सुनीता गुप्ता जी द्वारा अधिकारीयों/प्रशिक्षुओं को प्रातः का योगा एवं मैडिटेशन कराकर किया गया, प्रशिक्षण की शुरूआत के प्रथम चरण में जिला युवा अधिकारियों एंव जिला परियोजना अधिकारियों द्वारा अपने-अपने जनपद में किये गए अबतक के कार्यो का प्रस्तुतिकरण एंव प्रथम दिवस के प्रशिक्षण के अनुभवो को साझा किया गया। प्रथम सत्र में श्री महेन्द्र मोदी (आई0पी0एस0) जलगुरू, पूर्व डी0जी0, स्पेशल टास्क फोर्स उ0प्र0 के द्वारा वाटर रिचार्जिंग मेकेनिज्म के बारे में और माडल के बारे में विस्तार से बताया गया। अपने व्याख्यान में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उन्होंने कारागारए पुलिस प्रशिक्षण संस्थान के साथ-साथ अलग-अलग सरकारी भवनों के माध्यम से वर्षा जन संचार प्रणाली को बेहतर तरह से प्रस्तुत किया जोकि न्यूनतम धनराशि के द्वारा सामाजिक सहभागिता से बनाए जा सकते हैं।

डा. सीताराम टैगोर पर्यावरण विशेषज्ञ, स्टेट मिशन फार क्लीन गंगा उ0प्र0 द्वारा प्रदूषण के स्तर और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और जनसंख्या पर इसके प्रभाव के विषय पर बुनियादी जानकारी के बारे में बताया गया। जिला गंगा समितियों की भूमिका, रूपरेखा, दायित्व एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की, साथ ही नमामि गंगे परियोजना के अलग-अलग विभागों के साथ चलायी जा रही परियोजनाओं पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुति दी। तृतीय सत्र में श्री राकेश चतुर्वेदी, पूर्व अपर निदेशक, पंचायतीराज विभाग, उ.प्र. एंव श्रीमती विशाखा चतुर्वेदी, मास्टर ट्रेनर स्वच्छ भारत मिशन व आर्ट आफ लिविंग द्वारा संयुक्त रूप से युवाओ को 'नमामि गंगे परियोजना' से जोडने के लिए प्रेरित करने हेतु विषयो के बारे में सूक्ष्मता से प्रकाश डाला गया । कैसे परियोजना से सम्बन्धित सदस्य जागरूकता करें? एवं स्वछता कार्यक्रम करके लोगो को जागरूक करने की कौन सी रणनीति ग्रामीण स्तर पर ज्यादा सफल होगी, इस पर खेल एवं गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता के तरीकों पर चर्चा की।

प्रशिक्षण के अन्तिम सत्र में श्री महेश चन्द्र देवा, फिल्म अभिनेता एवं निदेशक, चबूतरा थियेटर ने नुक्कड नाटक की स्क्रिप्ट तैयार करने एंव सामाजिक जागरूकता पर आधारित फिल्म और सामग्री के निर्माण के बारे में बताया। साथ ही सामाजिक जागरूकता के लिए अपनाये जाने वाले संशाधनों- जैसे नुक्कड़ नाटक, कहानी, मोनो-एक्ट आदि पर चर्चा की।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान जल संचयन प्रणाली पर चर्चा करते श्री महेन्द्र मोदी, आईपीएस (जलगुरू), पूर्व महानिदेशक, स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश पुलिस।

गंगा नदी में प्रदूषण का स्तर और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, जनसंख्या पर इसके प्रभाव विषय पर चर्चा करते डा.सीताराम टैगोर, पर्यावरण विशेषज्ञ (गंगा),राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, उत्तर प्रदेश।

श्री महेश चन्द्र देवा (बालीवुड फिल्म अभिनेता एवं निदेशक) नुक्कड नाटक की स्क्रिप्ट, फिल्म निर्माण आदि पर चर्चा व श्री राकेश चतुर्वेदी,पूर्व अपर निदेशक, पंचायती राज एंव श्रीमती विशाखा चतुर्वेदी, ट्रेनर एसबीएम और आर्ट आफ लिविंग ने स्वच्छता व नैतिक जिम्मेदारी पर चर्चा की।

तृतीय दिवस कार्यक्रम

तृतीय दिवस की शुरुआत प्रातः योग एवं मैडिटेशन कराकर किया गया। जिसके लिए विशेषज्ञ के रूप में सुनीता गुप्ता जी, अंतराष्ट्रीय योग एवं मैडिटेशन, लखनऊ विश्वविद्यालय उपस्थित रहीं। तत्पश्चात प्रथम सत्र में प्रतिभागी जिला युवा अधिकारियों एंव जिला परियोजना अधिकारियों द्वारा प्रथम दिवस व द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण के अनुभवो को साझा किया गया। तदुपरांत सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में श्री राधेश्याम दीक्षित, निदेशक, रूरल वायर, लखनऊ द्वारा परियोजना मे मीडिया और संचार की महत्ता, सामाजिक सरोकार से जुड़ाव व परियोजना के प्रचार-प्रसार हेतु अपनाये जाने वाले विभिन्न माध्यमों पर चर्चा की गयी।

इसी सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश के 02 प्रमुख पर्यावरणविद आचार्य चन्द्र भूषण तिवारी एवं श्री कृष्णानद राय, पूर्व लेखाधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उपस्थित रहें, जिन्होंने जल संरक्षण, पालीथीन प्रतिबन्ध, नदी संरक्षण, वृक्षारोपण, प्राकृतिक कृषि के साथ दैनिक दिनचर्या से जुड़े विभिन्न पर्यावरण हितैषी पहलुओं पर बात की। साथ ही जागरूकता के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले अलग-अलग प्रचार प्रसार सामग्री जैसे- कपडे का थैला, पोस्टर, कपडे का बैनर, हस्तलिखित पट्टिका आदि को प्रदर्शित कर जल बचाव से सम्बंधित लोक गीत भी प्रस्तुत किये।

द्वितीय सत्र के दौरान सभी जिला युवा अधिकारियों एवं जिला परियोजना अधिकारियों के द्वाराअपने-अपने जनपद में गंगा की भौगोलिक स्थिति एवं गंगाग्राम की संख्या के आधार पर कार्य करने के लिए जिला स्तरीय कार्य योजना तैयार की गयी।

प्रशिक्षण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्री सी.पी. सिंह, , उप निदेशक, युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्री नन्द कुमार सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उ0प्र0 एवं श्री राधेश्याम दीक्षित, निदेशक, रूरल वायर, लखनऊ द्वारा सभी प्रतिभागी अधिकारियो को तीन दिवसीय प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरण किया गया एंव श्री नन्द कुमार सिंह जी द्वारा प्रशिक्षण को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया गया।

श्री राधेश्याम दीक्षित, निदेशक, रूरल वायर, लखनऊ द्वारा परियोजना मे मीडिया और संचार की महत्ता, सामाजिक सरोकार से जुड़ाव व परियोजना के प्रचार-प्रसार हेतु चर्चा की गयी

पर्यावरणविद आचार्य चन्द्र भूषण तिवारी एवं श्री कृष्णानद राय, पूर्व लेखाधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उपस्थित रहें, जिन्होंने जल संरक्षण, पालीथीन प्रतिबन्ध, नदी संरक्षण, वृक्षारोपण, प्राकृतिक कृषि के साथ दैनिक दिनचर्या से जुड़े विभिन्न पर्यावरण हितैषी पहलुओं पर बात की।

जिला स्तरीय कार्ययोजना तैयार करते प्रतिभागी

समापन पत्र एवं प्रमाण पत्र वितरण

ध्यान एवं योगाभ्यास

प्रशिक्षण परिसर

नमामि गंगे परियोजना की 03 दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रतिबिंब टाइम्स

श्रीश सिंह । रोहित कश्यप, लखनऊ । भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर "जल ही जीवन है" का वक्तव्य सार्थक करे। कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है । कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया । इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया । सभी अथितियो को धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।

हिन्दी दैनिक 'कन्नौज पोस्ट'

नमामि गंगे परियोजना की 03 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

कन्नौज पोस्ट ब्यूरो

लखनऊ। भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर "जल ही जीवन है" का वक्तव्य सार्थक करे। कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है ।

कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया ।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया । सभी अथितियो को धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।

कैनविज टाइम्स www.kanwhizztimes.com लखनऊ

नमामि गंगे परियोजना की तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर "जल ही जीवन है" का वक्तव्य सार्थक करें। कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है । कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया । इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया। सभी अथितियो को धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।

नमामि गंगे परियोजना की 03 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी एल. अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर जल ही जीवन है का वक्तव्य सार्थक करें। कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है । कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया । इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया। सभी अथितियो को धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।

नमामि गंगे परियोजना की तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

सरिता प्रवाह ब्यूरो

लखनऊ । भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।

साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकेटश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर ''जल ही जीवन है'' का वक्तव सार्थक करे।

कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है ।

कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया । इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया। सभी अथितियो को धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।

नमामि गंगे परियोजना की 03 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

कन्नौज पोस्ट ब्यूरो

लखनऊ। भारत सरकार, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी अलीगंज के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू, आनन्द प्रकाश माहेश्वरी एवं क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश नन्द कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में उपस्थित नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारियों व जिला युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नदी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी है परंतु इससे जनमानस द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रदूषित किया जा रहा है। जिससे अविरलता एवं स्वच्छता में कमी हो रही हैं। पर्यावरण भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। अतः नेहरू युवा केन्द्र संगठन के अथक प्रयास से मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाएं और ईमानदारी और पारदर्शिता से युवाओं द्वारा आंदोलन चलाकर इसकी सफाई हेतु अथक प्रयास करें । उन्होंने कहा कि राष्ट्र जब भी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं तो वह युवाओं ने ही किए हैं, अतः युवा आगे आकर गंगा को प्रदूषण मुक्त कर "जल ही जीवन है" का वक्तव्य सार्थक करे। कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन नन्द कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसके अंतर्गत नव चयनित कुल 11 जनपद (7 उत्तर प्रदेश व 4 उत्तराखंड) के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे है ।

कार्यक्रम को प्रमुख रूप से डा. अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी एनएसएस अंशुमालि शर्मा, डा.सीताराम टैगौर, पर्यावरण विशेषज्ञ, गंगा, एसएमसीजी, उत्तर प्रदेश ने संबोधित किया ।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डा. दिनेश यादव, मुन्नी टोलिया, अंकित गौड़, प्रतिमा वर्मा, आभा सोनी एवं जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह, ज्ञान तिवारी, सत्यदेव आर्य, सचिन चौधरी, दिग्वीर बिष्ट, अरुण उन्याल, अश्वनी कुमार मिश्र, राहुल पांडेय आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार, राज्य परियोजना सहायक, नमामि गंगे परियोजना के द्वारा किया गया । सभी अथितियो व धन्यवाद अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तर प्रदेश ने ज्ञापित किया।